प्रथम अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान को प्रधानमंत्री द्वारा आयुर्वेद दिवस पर नई दिल्ली में देश को समर्पित किया जाएगा

राष्ट्रीय खबर

एम्स की तर्ज पर स्थापित प्रथम अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नई दिल्ली में 17 अक्टूबर, 2017 को आयुर्वेद दिवस पर देश को समर्पित किया जाएगा।

- आयुष मंत्रालय के अधीन एक शीर्ष संस्थान के रूप में स्थापित एआईआईए आयुर्वेद के पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक नैदानिक उपकरणों एवं प्रौद्योगिकी के बीच सामंजस्य सुनिश्चित करेगा।
- आयुष राज्य मंत्री श्री श्रीपद येसो नाइक ने आज नई दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी।
- अपनी स्थापना के बाद छोटी सी अवधि में ही एआईआईए ने व्यापक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मान्यता हासिल कर ली है।
- आयुष मंत्री ने बताया कि इस संस्थान ने गुणवत्तापूर्ण मरीज देखभाल सुविधा प्रदान करने, अनुसंधान करने, आयुर्वेद उत्पादों की गुणवत्ता, सुरक्षा एवं प्रभावकारिता के बारे में वैज्ञानिक जानकारी सुलभ कराने में कमी को दूर करने और आयुर्वेदिक शिक्षा, अनुसंधान एवं स्वास्थ्य देखभाल के मानक विकसित करने की दिशा में काम करना शुरू कर दिया है।
- श्री श्रीपद नाइक ने कहा कि पहले चरण में 157 करोड़ रुपये के बजट के साथ 10.015 एकड़ भूमि के कुल परिसर क्षेत्र के भीतर एआईआईए को स्थापित किया गया है।
- इसमें एनएबीएच से मान्यता प्राप्त अस्पताल और एक शैक्षणिक ब्लॉक है।
- एआईआईए के अस्पताल खंड में मरीज सेवा प्रदान की जा रही है और दवाएं मुफ्त में दी जा रही हैं।

आईआईएसएफ चेन्नई 2017 में बना नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

राष्ट्रीय खबर

चेन्नई स्थित अन्ना विश्वविद्यालय के परिसर में आयोजित भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ) के दूसरे दिन सबसे बड़े जीवविज्ञान पाठ के लिए एक नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बना।

- एक हजार उनचास (1049) छात्रों ने रिकॉर्ड तोड़ने वाले इस सत्र में भाग लिया।

- सबसे बड़े जीवविज्ञान पाठ (बायलॉजी लेसन) का शुभारंभ करते हुए केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का विजन देश में विज्ञान को प्रोत्साहित करना और इस क्षेत्र में तरक्की करना है।
- उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने इस विजन को ध्यान में रखते हुए कई प्रमुख कार्यक्रम शुरू किये हैं।
- उन्होंने इस अवसर पर सी वी रमन को भी स्मरण किया और बताया कि कैसे उन्हें नोबेल पुरस्कार से नवाजा गया।
- विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए प्रयास वर्ष 2015 से ही भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है।
- इसके परिणामस्वरूप जन भागीदारी के जरिए विज्ञान को काफी प्रोत्साहन मिलता है और इसका भरपूर प्रचार-प्रसार भी होता है।
- आईआईएसएफ चेन्नई 2017 में बनाए गए विश्व रिकॉर्ड में कक्षा 9 और कक्षा 10 के छात्रों ने भाग लिया।
- इस आयोजन में 20 स्थानीय स्कूलों के छात्रों ने भाग लिया।

भारतीय अंतरस्थलीय जलमार्ग प्राधिकरण ने बांडों के जरिये 660 करोड़ रूपये जुटाये

भारतीय अंतरस्थलीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) ने 'भारत सरकार पूर्ण सेवित बांडों' के रूप में 660 करोड़ रूपये जुटाये हैं।

- बांडों के द्वारा जुटाये गए संसाधन भारत सरकार की बजटीय सहायता के अतिरिक्त हैं।
- सरकार ने 2017-18 में भारत सरकार पूर्ण सेवित बांडों के माध्यम से 660 करोड़ रूपये जुटाने में आईडब्ल्यूएआई को सक्षम बनाने का निर्णय लिया था।
- आईडब्ल्यूएआई ने बांडों को जुटाने से पहले प्रबंधकों, क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों, रजिस्ट्रारों एवं ट्रस्टियों की सेवाएं ली थीं।
- क्रिसिल एवं केयर दोनों ने ही आईडब्ल्यूएआई के प्रस्तावित इंस्ट्रूमेंट को 'ट्रिपल ए : स्थिर' की रेटिंग दी थी।
- बांडों को जुटाने के लिए ई-बीडिंग का आयोजन 300 करोड़ रूपये के इश्यू आकार तथा 360 करोड़ रूपये के ग्रीन शू ऑप्शन के साथ बीएसई पोर्टल पर 11 अक्तूबर, 2017 को किया गया था।

- यह इश्यू ओवर सब्सक्राइब हुआ था और 660 करोड़ रूपये की पूरी राशि 7.47 प्रतिशत की एक कूपन दर पर एकल भाग में जुटाई गई है।
- बांडों से प्राप्त आय का उपयोग आईडब्ल्यूएआई द्वारा 2017-18 के दौरान विशिष्ट रूप से राष्ट्रीय जलमार्ग अधिनियम-2016 के तहत राष्ट्रीय जलमार्ग (एनडब्ल्यू) के विकास के लिए पूंजी व्यय पर किए जाने का लक्ष्य है।

तमिलनाडु में डेंगू बुखार के प्रकोप की जांच के लिए कई विभागों के विशेषज्ञों का केंद्रीय दल

Inland Waterways Authority of India

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश पर तमिलनाडु में फैले बुखार (डेंगू) के प्रकोप की जांच के लिए कई विभागों के विशेषज्ञों का एक केंद्रीय दल राज्य में तैनात किया गया है।

- ये दल राज्य को डेंगू के प्रबंधन और वेक्टर नियंत्रण में तकनीकी सहायता प्रदान करेगा।
- केंद्रीय दल में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीबीडीसीपी), नई दिल्ली, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज (एलएचएमसी) और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी), नई दिल्ली के डॉक्टर शामिल हैं।
- यह दल न केवल स्थिति का जायजा लेगा, बल्कि हाल ही में फैले बुखार के प्रकोप को प्रबंधित और इसका निवारण करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी देगा।
- केंद्रीय विशेषज्ञ दल राज्य के स्वास्थ्य मंत्री और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकें भी करेगा।
- 2017 (12.10.2017 तक) के दौरान तमिलनाडु में कुल 12324 डेंगू के मामलें दर्ज किए गए और डेंगू के कारण 18 लोगों की मृत्यु हुई।
- सबसे अधिक मामले थूथुकुड़ी (1178), चेन्नई (1138), संकरनकोइल (1072), कोयंबटूर (942), तिरुपुर (782) और कन्याकुमारी (777) दर्ज किए गए हैं।
- डेंगू के कारण तिरुपुर (4), ईरोड (3), सेलम (3), कोयम्बटूर (2), करूर (2), त्रिची (1), संकरनकोइल (1), नमक्कल (1) और धर्मपुरी (1) व्यक्ति की मृत्यु हुई है।

एनसीएलटी ने रिलायंस कम्यूनिकेशंस और एयरसेल की विलय योजना वापस लेने को दी मंजूरी

राष्ट्रीय खबर

राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण एनसीएलटी ने रिलायंस कम्यूनिकेशंस और एयरसेल के विलय सौदे के प्रस्ताव को वापस लेने को स्वीकृति दे दी।

- रिलायंस ने बंबई शेयर बाजार को आज इसकी जानकारी दी।
- उसने कहा, एनसीएलटी की मुंबई पीठ ने रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड, एयरसेल लिमिटेड, डिशनेट वायरलेस लिमिटेड, डेक्कन डिजिटल नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड, साउथ एशिया कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड तथा उनके शेयरधारकों एवं कर्जदाताओं के बीच कंपनी के वायरलेस कारोबार तथा रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड का एयरसेल के साथ विलय की व्यवस्था योजना को वापस लेने को लेकर 13 अक्तूबर के आदेश में स्वीकृति दे दी।
- इस आदेश में रिलायंस इंफ्राटेल के टावर कारोबार का टावरकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ विलय प्रस्ताव वापस लेने को भी मंजूरी दे दी गयी।
- रिलायंस कम्यूनिकेशंस के पर अभी करीब 46 हजार करोड़ रुपये का कर्ज है।
- कंपनी ने कानूनी तथा नियामकीय देरी एवं निहित स्वार्थी दखल आदि का हवाला देते हुए एयरसेल के साथ विलय की बातचीत समाप्त कर दी।
- उसने विलय की बातचीत निरस्त करने के पीछे उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा को भी बड़ी वजह बताया था।

जियो में हर तिमाही 70 अरब का निवेश करेगा रिलायंस

राष्ट्रीय खबर

रिलायंस जियो को फ्री ऑफर देने के कारण चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 271 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

- इसके बावजूद जियो की पैरंट कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड को उम्मीद है कि यह जल्द ही फायदे में आ जाएगी।
- ऐसे में लॉस होने के बावजूद कंपनी जियो पर अगले कुछ तिमाही तक अरबों रुपये खर्च करती रहेगी।
- जियो ने पिछले साल आखिर में फ्री कॉल और डेटा की स्कीम लॉन्च की थी।
- इसके बाद भारत के टेलिकॉम सेक्टर में प्राइस वॉर छिड़ गया।
- कंपनियों को मजबूरन अपने ग्राहकों को बचाए रखने के लिए मार्जिन कम करते हुए लुभावने ऑफर की पेशकश करनी पड़ी।

- जियो को इस तिमाही में 61.47 अरब रुपये की कमाई हुई, हालांकि उसे 2.71 अरब रुपये का लॉस भी सहन करना पड़ा।
- जियो नेटवर्क पर ग्राहकों को लुभाने के लिए रिलायंस ने जुलाई में 1500 रुपये का फोन लॉन्च किया था।
- इसका मकसद फीचर फोन का इस्तेमाल करने वाले लोगों को डेटा सर्विस की ओर मोड़ना था।
- साथ ही इस कदम से स्मार्टफोन और बेसिक फीचर फोन के बीच की खाई को भी पाटने की कोशिश की गई।

इंडसइंड बैंक करेगा भारत फाइनेंशियल का अधिग्रहण, 10 महीने में होगा सौदा पूरा

निजी क्षेत्र के इंडसइंड बैंक ने आज कहा कि वह देश की दूसरी सबसे बड़ी सूक्ष्म ण देने वाली कंपनी भारत फाइनेंशियल इंक्लूजन लिमिटेड बीएफआईएल का अधिग्रहण करेगा।

- यह सौदा अगले 10 महीने में पूरा होने की उम्मीद है।
- यह देश में किसी सूक्ष्म ण प्रदाता कंपनी का किसी बैंक में विलय का पहला मामला होगा साथ ही यह भविष्य में इस तरह के सौदों के लिए मिसाल का काम करेगा।
- बीएफआईएल को इससे पहले एसकेएस माइक्रोफाइनेंस के नाम से जाना जाता रहा है। यह सूक्ष्म ण क्षेत्र का अब तक का सबसे बड़ा अधिग्रहण एवं विलय होगा।
- इंडसइंड बैंक के प्रबंध निदेशक रमेश सोबती ने विलय की घोषणा करते हुए कहा कि भारत फाइनेंशियल के शेयरधारकों को प्रति 1000 शेयर पर इंडसइंड बैंक के 639 शेयर मिलेंगे।
- उन्होंने आगे कहा कि इस विलय के बाद भारत फाइनेंशियल का हर कर्मचारी इंडसइंड बैंक का कर्मचारी हो जाएगा और एक भी कर्मचारी को बाहर नहीं निकाला जाएगा।

विबैंक के पूंजी आधार बढ़ोतरी में सहयोग से ट्रंप प्रशासन का इंकार

विबैंक द्वारा अपने पूंजी आधार को बढ़ाने के लिए सहयोग की मांग को अमेरिकी राष्ट्रपति

डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने खारिज कर दिया है।

- हालांकि विबैंक ने इसे अपने गरीबी दूर करने वाले वैकि मिशन का विस्तार करने के लिए आवश्यक बताया है।

राष्ट्रीय खबर

अंतर्राष्ट्रीय खबर

- अमेरिका के वि मंत्री स्टीवन म्नूचिन ने कहा कि वाशिंगटन स्थित यह संस्थान अक्षम है।
- यह मौजूदा समय में हर साल आवंटित की जानी वाली करीब 60 अरब डॉलर की राशि में ही और अधिक सक्षम बन सकता है और विकास कार्यों के लिए वि पोषण कर सकता है।
- बेहतर सक्षमता के साथ यह आंतरिक तौर पर ही पूंजी आधार तैयार करा सकता है और ण देने की गतिविधि का विस्तार कर सकता है।
- इसके लिए इसे अपने 189 सदस्य देशों से और अधिक सहयोग की भी जरुरत नहीं होगी। अभी अमेरिका इसे सबसे अधिक सहयोग देता है।
- विबैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के लिए कार्य योजना वाली डेवलपमेंट कमेटी को भेजे एक बयान में म्नूचिन ने कहा कि बैंक को उभरती अर्थव्यवस्थाओं को आवंटित की जाने वाली राशि में कटौती करने की जरुरत है क्योंकि उन्हें किसी बाहरी सहायता की जरुरत नहीं।